गन्ने की उन्नतिशील जातियों के सम्बंध में संस्तुति वर्ष एवं अन्य विवरण

१. को. शा. – ८४३६; एम० एस० (६८/४७ x को. ११४८) संस्तुति वर्ष एक्स १९७८

इसका गन्ना सीधा, मध्यम मोटा, हल्का पीला तथा बीच में बारीक छिद्र होता है। इसका जमाव, ब्यॉत, मिल योग्य गन्नों की संख्या, अधिक होती है। यह गन्ना शरदकालीन बुआई हेतु उपयुक्त होता है। अधिक खाद पानी देने पर उत्तम उपज व उत्तम पेड़ी वाला होता है। यह गन्ना गिरता नहीं है। यह प्रजाति काना, कण्डुआ एवं अन्य रोगों के लिये मध्यम रोग रोधी तथा उकठा के लिए रोग रोधी होती है। यह प्रजाति में अंकुर तना बेधक का आपतन मध्यम, परन्तु चोटी बेधक का आपतन अधिक पाया गया है। इस प्रजाति की सामान्य देखभाल से ६४०-७८० कु०/हेक्टेयर पायी गयी तथा रस में शर्करा प्रतिशत दिसम्बर, जनवरी, तथा मार्च में क्रमशः १६.५०, १७.८०, १९.४३ पायी गयी है।

2. को. शा. – ८८२३० (सी.ओ. x ११४८ सी.ओ. ७७५) संस्तुति वर्ष १९९१

इस प्रजाति का गन्ना हल्का, हरा, खुला हुआ भाग हल्का बैंगनी रंग लिये हुए होता है व सीधा मध्यम मोटे रेशे की मात्रा कम तथा अच्छी पेड़ी वाला होता है। यह प्रजाति सूखा सहन करने की क्षमता कम, तथा देर से बुवाई के लिए उपयुक्त होती है। इसकी सूखी पत्तियाँ अपने आप गिर जाती हैं। यह प्रजाति काना उकठा तथा अन्य रोग के प्रति मध्यम रोग रोधी तथा कडुवा के प्रति रोधी पायी गयी है। अंकुर बेधक का आपतन कम तथा तना बेधक एवं चोटी बेधक का आपतन अधिक पाया गया है। इसकी उपज ७१०-७५० कु० प्रति हेक्टेयर तथा रस से शर्करा प्रतिशत दिसम्बर, जनवरी व मार्च में क्रमशः १७.५१, १८.२५, १९.६७ पायी गयी है।

3. को. जे. – ६४ (सी.ओ. ९७६ x सी.ओ. ६१७) संस्तुति वर्ष १९८३

इस प्रजाति का गन्ना सीधा मध्यम मोटा, मटमैला पीले रंग का ठोस तथा मुलायम होता है इस गन्ने की पोरी छोटी तथा ढोलक के आकार की होती है। इस प्रजाति का जमाव, ब्यॉत, मिल योग्य गन्ने, उपज में अच्छी तथा औसत पेड़ी वाला होती है। अधिक उपज प्राप्त करने हेतु सन्तुलित खाद के साथ ही कीट नियंत्रण का विशेष प्रबन्ध, मिट्टी चढ़ाना व गन्ना बंधाई आवश्यक है। इसकी उपज ५५०-५८० कु० प्रति हेक्टेयर तथा इसमें शर्करा प्रतिशत नवम्बर, जनवरी व मार्च में क्रमशः १६.०६, १८.६०, १८.७८ है। यह प्रजाति कडुआ व उकठा के लिए रोग रोधी तथा काना रोग के प्रति रोग ग्राही है। अंकुर बेधक का आपतन मध्यम एवं तना व चोटी बेधक का आपतन अधिक पाया जाता है।

4. को. शा. – ९५२५५ (सी.ओ. ११५८ x सी.ओ. ६२१९८) संस्तुति वर्ष १९९६

इस प्रजाति का गन्ना सीधा, मध्यम मोटा, एवं ठोस होता है। पोरी (पर्व) लम्बी, बीच में पतली व किनारों पर मोटी होती है। आँख (बड) नीचे की तरफ नुकीली तथा ऊपर की तरफ चपटी होती है। गन्ने का रंग ऊपर की तरफ हल्का हरा कालापन लिये होता है। नीचे की ओर कालापन कम होता है। जमाव, पेड़ी, ब्यॉत व गन्ने की लम्बाई अच्छी होती है। इस में शर्करा प्रतिशत क्रमशः १६.१७, १८.३७, १८.८६ नवम्बर,

को. शा. ८४३६

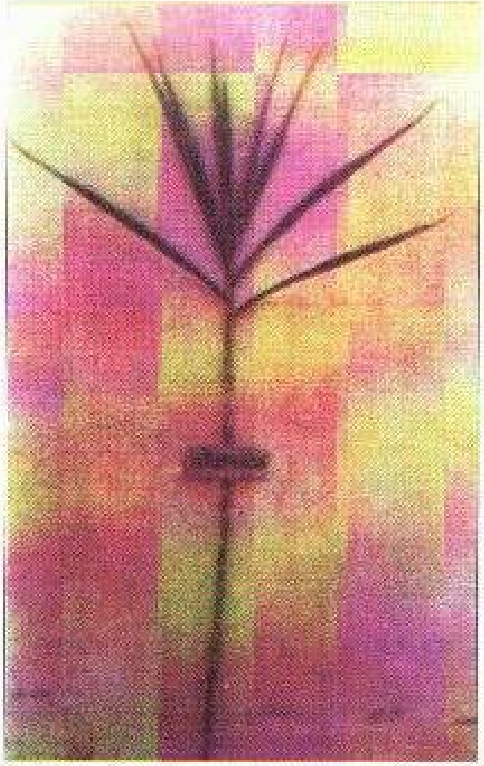

१

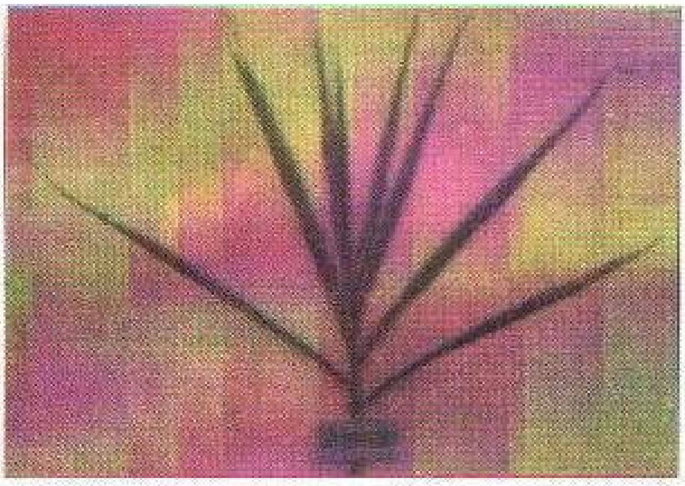

२

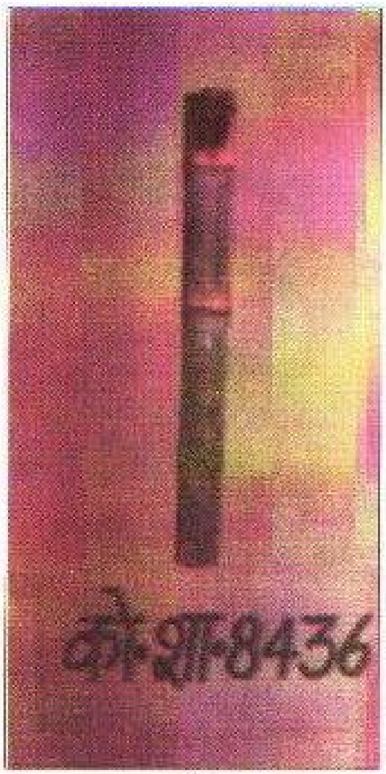

३

४

५

को. शा. ८८२३०

१

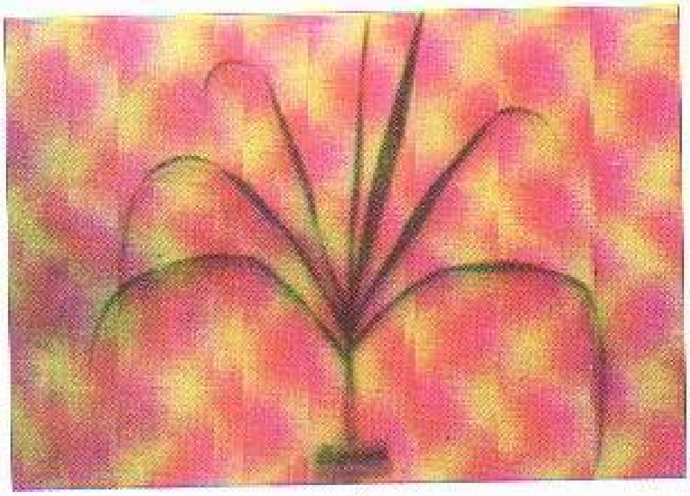

२

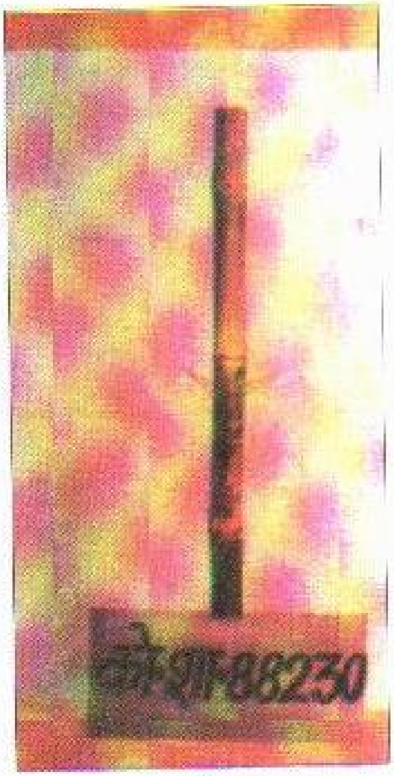

३

४

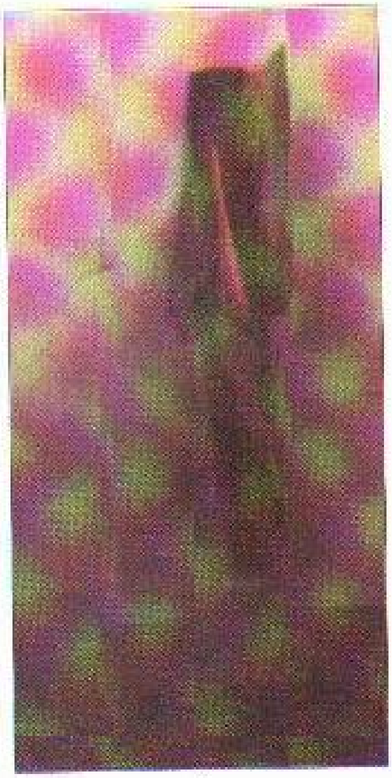

५

जनवरी तथा मार्च में होती है। अंकुर एवं तना बेधक, चोटी बेधक का आपतन होता है काना कण्डुआ रोग के प्रति मध्यम रोग रोधी है। विल्ट रोग के प्रति रोग रोधी है।

5. **को. प. -८४२१२ (सी.ओ. ११८८ x सी.ओ. ७७५) संस्तुति वर्ष १९९८**

इस प्रजाति का गन्ना सीधी, मध्यम मोटा, मुलायम तथा ठोस व गन्ने का रंग हरा सफेद परन्तु खुला हुआ भाग हरा पीला कहीं-कहीं बैंगनी धब्बे वाला होता है। जमाव, ब्यॉत, मिल योग्य गन्ने तथा उपज मध्यम, पेड़ी मध्यम होती है। इसे गिरने के बचाने के लिये मिट्टी चढ़ाना एवं बंधाई जरूरी है। उपज ६४०-६९० कु० प्रति हेक्टेयर होती है। इसमें शर्करा प्रतिशत क्रमशः १६.८४, १८.८३, जनवरी तथा मार्च में होती है। इस प्रजाति में काना रोग के प्रति मध्यम रोग रोधी होती है। अंकुर बेधक, तना बेधक, चोटी बेधक का आपतन मध्यम होता है।

6. **को. शा. -८४३२ (एम.एस. ६८/४७ x को. ११४८) संस्तुति वर्ष १९८७**

इस प्रजाति का गन्ना हरा पीला, मध्यम मोटा, सीधा, कड़ा, ठोस तथा लम्बा होता है। तथा इस गन्ने का ऊपरी हिस्सा नीचे की अपेक्षा पतला होता है। इस प्रजाति की सूखी पत्ती भी गन्ने से चिपकी रहती है। अगोले के पास की पत्तियों की शीघ्र पर सिंदूरी रंग के धब्बे पाये जाते हैं। जमाव मध्यम, ब्यॉत, मिल योग्य गन्नों की संख्या, पेड़ी व पैदावार अच्छी होती है। पैदावार ६६०-८८० कु० प्रति हेक्टेयर तथा रस में शर्करा प्रतिशत क्रमशः १५.५, १६.१२.१८.८८ नवम्बर, जनवरी एवं मार्च में होती है। यह प्रजाति कण्डुआ तथा उकठा रोग के प्रति मध्यम रोग रोधी होती है तथा अंकुर बेधक एवं तना बेधक का आपतन कम एवं चोटी बेधक का आपतन मध्यम होता है।

7. **को. शा. -७६७ (सी.ओ. ४१९ x सी.ओ. ३१३ संस्तुति वर्ष १९७९)**

इस प्रजाति का गन्ना पीला हरा, मध्यम मोटा, परन्तु ऊपर की ओर अपेक्षाकृत कुछ पतला, ठोस, सीधा एवं लम्बा होता है। इस प्रजाति का जमाव, ब्यॉत, मिल योग्य गन्ने की संख्या तथा पेड़ी उत्तम होती है। यह हल्की ऊसर भूमि में भी खेती के योग्य तथा विभिन्न जलवायु को सहन करने की क्षमता पायी जाती है। इसकी पैंदावार ७७०-८८० कु० प्रति हेक्टेयर तथा इसमें शर्करा प्रतिशत नवम्बर, जनवरी एवं मार्च में क्रमशः १४.९७, १६.८७, १७.९३ होती है। यह प्रजाति काना, कण्डुआ रोग के प्रति मध्यम रोग रोधी है, उकठा के लिए रोग रोधी होती है। तना व चोटी बेधक का आपतन कम होता है।

8. **को. शा. -९६२६८ (को. ११५८ x को. ६२१९८) संस्तुति वर्ष १९९९**

इस प्रजाति का गन्ना मध्यम लम्बा एवं मध्यम चौड़ा होता है तना सीधा मध्यम मोटा मुलायम तथा ठोस पीले रंग का पत्र किरण तिरण, (जमाव, ब्यॉत मिल योग्य गन्ने तथा उपज में अच्छी पेड़ी भी अच्छी, गन्ना नहीं गिरता, रेशे की कम मात्रा शीघ्र पकने वाली जाति है पैदावार ८१० कु० से ९९० कु० प्रति हेक्टेयर है शर्करा प्रतिशत नवम्बर १५.६५ दिसम्बर- १७.४२ जनवरी १७.७५ होती है रोगों के प्रति व्यवहार काना तथा कण्डुआ के प्रति मध्यम रोग रोधी तथा कीट अंकुर बेधक, तना बेधक एवं चोटी बेधक का आपतन मध्यम होता है।

को. शा. ६४

१

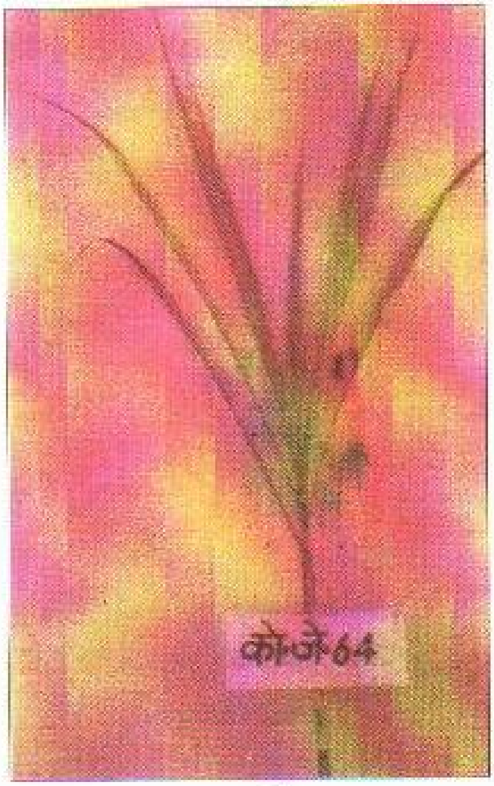

२

३

४

५

को. शा. ९५२५५

१

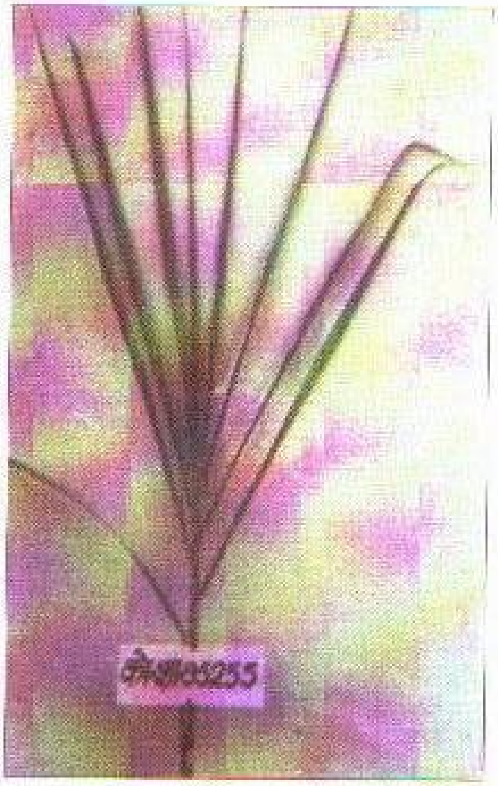

२

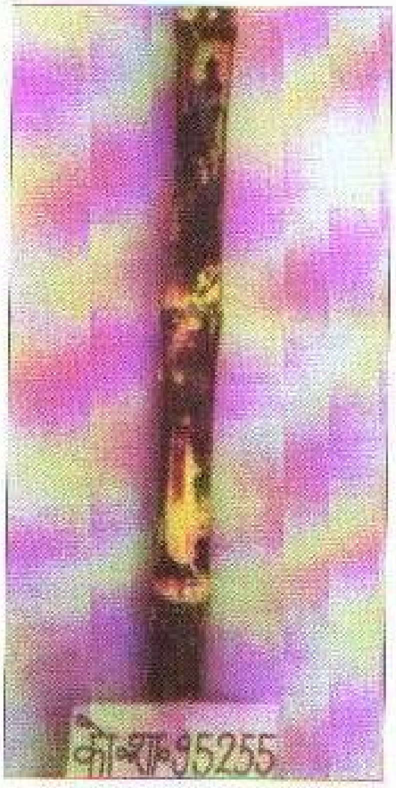

३

४

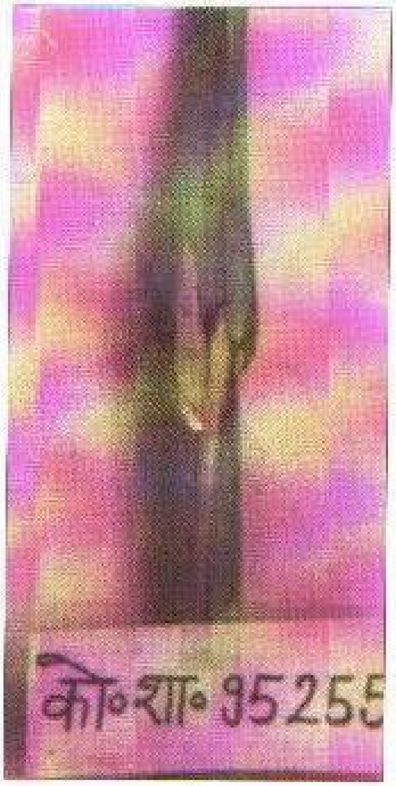

५

को. शा. ८४३२

१

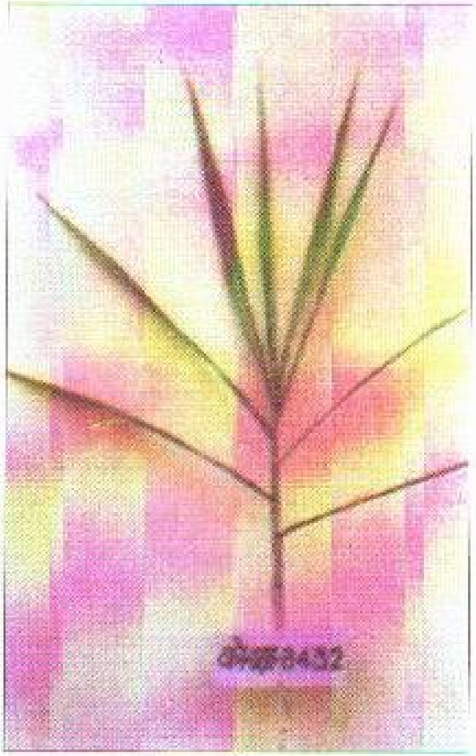

२

३

४

५

को. शा. ७६७

१

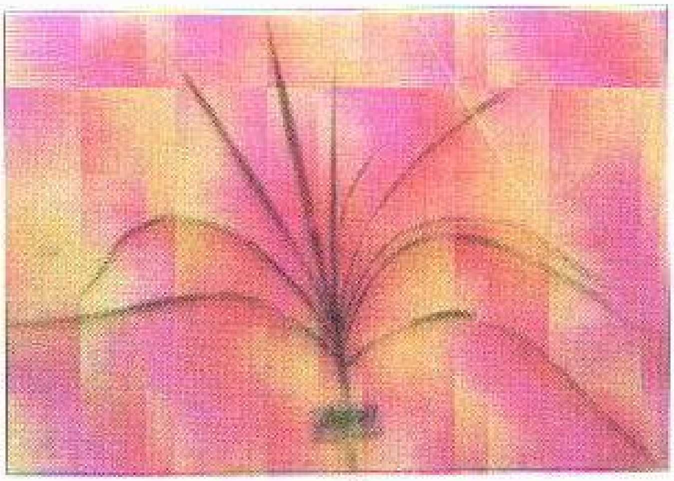

२

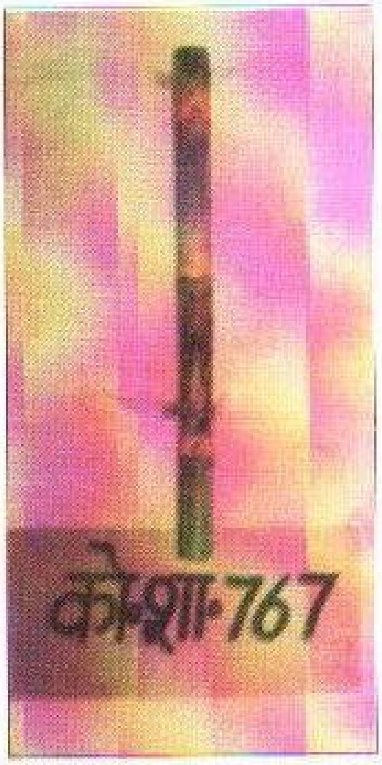

३

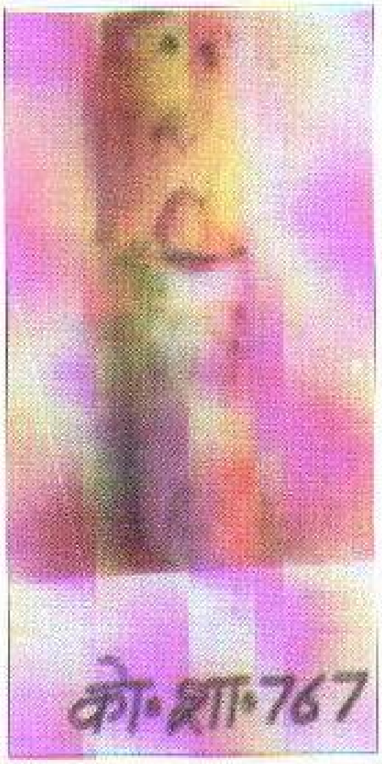

४

५

को. शा. ९६२६८

१

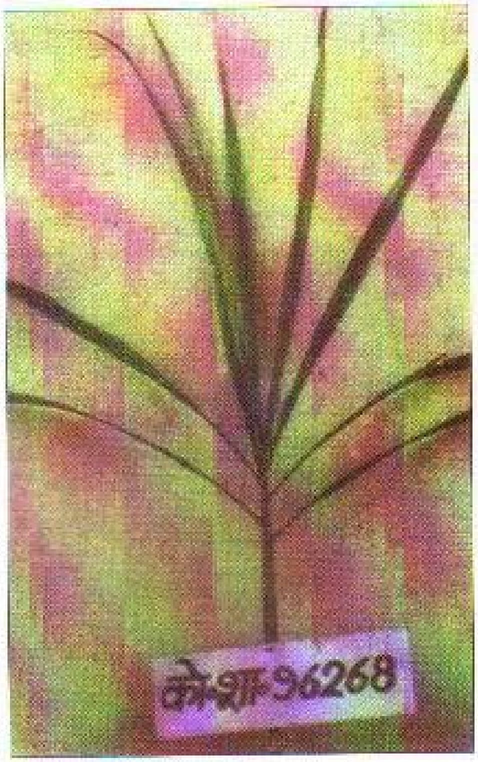

२

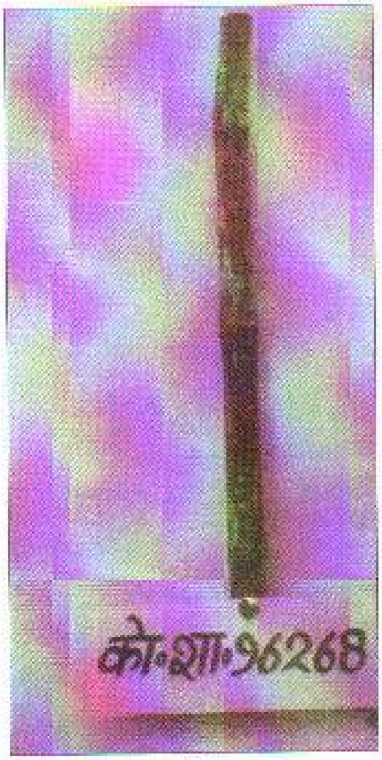

३

४

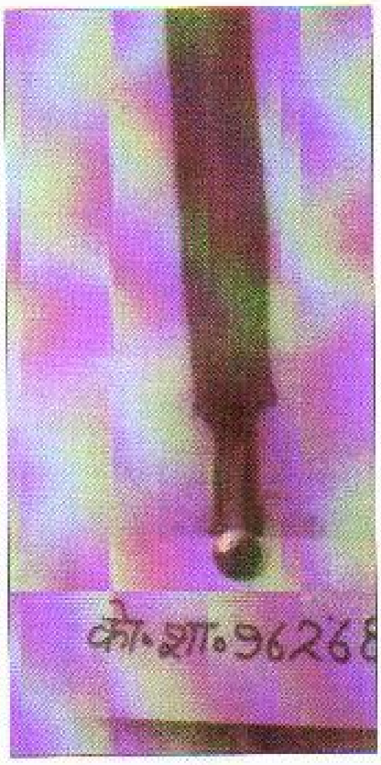

५